VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
MN 20 AUG 2018

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1066)

Name of Candidate	Kanchan Kr. Kaulbal		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	26216
Center	MN	Date	20/8/2018

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Context Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. The cave architecture in India not only enlighten us with information of tradition and customs of ancient times but also illustrate considerable accomplishment with regard to structural engineering and artistry. Discuss.
(150 WORDS) 10

भारत में गुहा स्थापत्य न केवल हमें प्राचीनकालीन परंपराओं और रीति-रिवाजों की जानकारी प्रदान करता है, अपितु यह संरचनात्मक अभियांत्रिकी एवं कलाकृतियों के संबंध में महत्वपूर्ण उपलब्धियों का दृश्य उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। चर्चा कीजिए।

भारत में आदिम समय से गुहा निवास के साथ ही गुहाओं में चित्रकारी के प्रमाण मिलने प्रारंभ हुए, तथा लम्बे समय तक धार्मिक कार्यों / निवास का मूल स्थान गुहाएँ ही हुआ करती थी, इसी कारण परंपराओं, संरचनात्मक अभियांत्रिकी व कलाकृतियों का स्पष्ट दर्शन मिलता है,

परंपरा एवं रीति रिवाज -

(1). मनुष्य के शोक / हर्ष के तरीकों का स्पष्ट परिचय दिखता है,

उदाहरण → (A) भीमबेटका (मध्यपाषाण व उच्च पाषाण काल) की गुफाओं में शोकाकुल महिला का अंकन

(B) इसी गुफा में जुलूस की प्रक्रिया का अंकन

(C) अजन्ता की गुफा संख्या 17 में सामाजिक उत्सवों का चित्रण

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) धर्म, आध्यात्म व मान्यताओं का अंकन,

उदाहरण → (A) जोगीमारा गुहा में सौगी का अंकन,

(B) अजन्ता गुहा में पद्मपाणि बोधिसत्व

स्थापत्य – (i) आजीवक सम्प्रदाय हेतु निर्मित बारबर की गुफाएँ मौर्यकालीन शिल्प का प्रदर्शन करती हैं,

(ii) दो मंजिल रानी की गुफा शिल्प के अभिनव प्रयोग को दर्शाती है,

(iii) विहार एवं चैत्य के रूप में विकसित गुफाएँ स्थापत्य के विकास द्वारा निर्मित स्तंभों में नक्काशी, चौकोर एवं अंडाकार अंतिम छोर को दर्शाती हैं,

कलाकृतियाँ –

(i) अजन्ता गुहा संख्या 16 की मरणासन्न राजकुमारी का अंकन गुप्तकालीन कलाकृति का उदाहरण है,

(ii) ऐलीफेंटा में निर्मित शिव-पार्वती नृत्य प्रतियोगिता, कैलाश उठाता रावण।

स्पष्टतः गुहा स्थापत्य प्राचीन समय का महत्वपूर्ण कीर्ति है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. While the Battle of Plassey laid the foundation of British Empire in India, it was the Battle of Buxar that proved to be the turning point of British fortunes in India. Discuss. **(150 WORDS) 10**

यद्यपि प्लासी के युद्ध ने भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की नींव रखी, तथापि यह बक्सर का युद्ध था जो भारत में अंग्रेजों की सफलता के लिए निर्णायक सिद्ध हुआ। चर्चा कीजिए।

प्लासी के युद्ध के पश्चात भारत के बंगाल प्रांत में कंपनी शासन की आहट हुई थी, किंतु इसकी वास्तविक नींव 1764 के बक्सर युद्ध के पश्चात ही रखी गई,

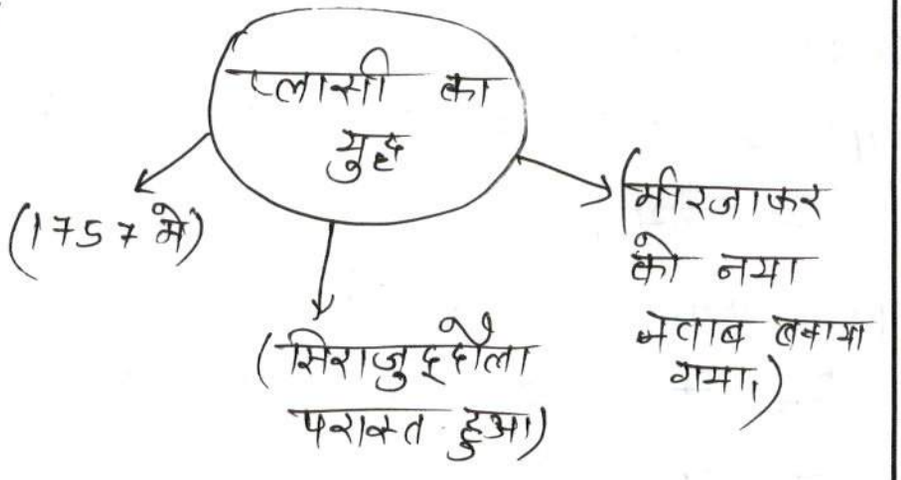

किंतु मीरजाफर ब्रिटिश शासन की मान्यताओं/अपेक्षाओं के विपरीत कार्य करने लगा, कालांतर में मीरकासिम का आगमन भी ब्रिटिश आकांक्षाओं के अनुकूल साबित नहीं हुआ, क्योंकि -

1. विशेष पास व्यवस्था समाप्त कर दी गई,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(२) अंग्रेजों को जो विशिष्ट रियायतें प्लासी के युद्ध के बाद दी गई थी, वह सभी भारतीय व्यापारियों के लिए भी खोल दी गई,

(३) परिणामतः बक्सर का युद्ध हुआ,

बक्सर के युद्ध में संयुक्त सेना की हार के साथ ही ब्रिटिश शासन का वर्चस्व भारत में स्थापित हुआ,

(A). अवध शासक से विस्तृत भू क्षेत्र ले लिया गया,

(B). मुगल शासक को भी युद्ध हर्जाना देने के साथ अपनी शर्तों के अधीन कर दिया गया,

(C). बंगाल के शासन की कमान ब्रिटिश वर्ग के हाथ में आ गई,

स्पष्टतः अंग्रेजी की सफलता गाथा में बक्सर का यह युद्ध निर्णायक महत्व का सिद्ध हुआ।

3. Among many novel methods and themes, the Swadeshi Movement laid great emphasis not only on boycott but also on self-reliance. Discuss.

(150 WORDS) 10

अनेक अनूठे तरीकों और विषय-वस्तु के साथ-साथ, स्वदेशी आंदोलन ने न केवल बहिष्कार, अपितु आत्मनिर्भरता पर भी अत्यधिक बल दिया। चर्चा कीजिए।

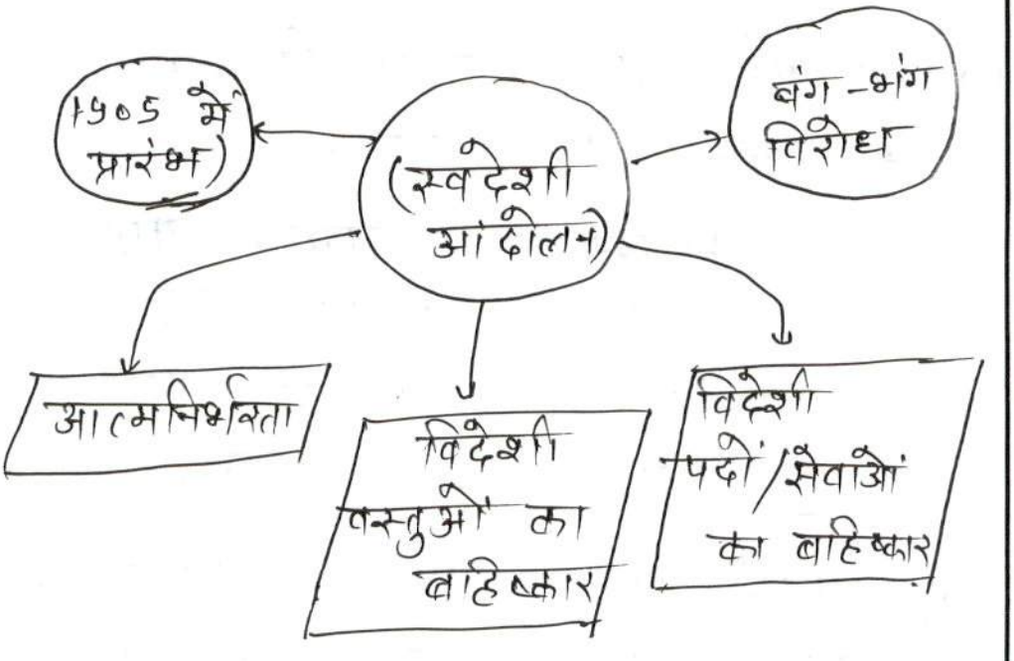

स्वदेशी आंदोलन 1905 में बंगाल विभाजन के पश्चात् कृष्ण कुमार मित्र के सुझाव पर प्रारम्भ हुआ था,

स्पष्टतः स्वदेशी आंदोलन की रणनीति में यद्यपि बहिष्कार एक प्रमुख तत्व था, जिसके तहत→

(i) विदेशी कपड़ों को जलाना,
(ii) विदेशी वस्तुओं को प्रयोग न करना
(iii) विदेशी दुकानों की पिकेटिंग

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आदि का आयोजन किया गया,

किन्तु वस्तुतः यह आंदोलन आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सकारात्मक कदम साबित हुआ, जिसके तहत-

(1). स्वदेश निर्मित वस्तुओं के प्रयोग को बढ़ावा दिया गया,

(2). भारतीयों द्वारा उद्योग की स्थापना को बढ़ावा दिया गया,

- दियासलाई, रसायन, कपड़ा उद्योगों में विस्तार हुआ
- पी० के० मित्रा आदि इसके प्रमुख उपयोगकर्ता थे,

(3). राष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों की स्थापना हुई, सुभाष चन्द्र बोस, अरविन्द घोष इस आंदोलन से जुड़े,

वस्तुतः स्वदेशी का यही उभार था जिसने कालांतर में खादी आंदोलन, औद्योगिक विकास तथा आत्मनिर्भरता जैसे राष्ट्रीय आंदोलनों का आधार तय किया,

4. The idea of linguistic states predated independence, however it took some time even after independence for this idea to be implemented. Discuss.
(150 WORDS) 10

यद्यपि भाषाई राज्यों का विचार स्वतंत्रता-प्राप्ति से पहले का था, तथापि स्वतंत्रता-प्राप्ति के पश्चात् भी इस विचार को कार्यान्वित करने में कुछ समय लगा। चर्चा कीजिए।

भारत में राज्य पुनर्गठन हेतु भाषा को ही आधार बनाया गया है, (1956 के अधिनियम के तहत)

किन्तु भाषा आधारित राज्यों का विचार स्वतंत्रता से काफी पूर्व विकसित हो चुका था,

स्वतंत्रता से पूर्व -

(A). 1920 के कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन में भाषा को ही प्रांतीय कार्यकारिणी का आधार बनाया गया था,

(B). इसके पश्चात् कांग्रेस के अधिवेशनों में प्रांतीय आधार (भाषा निर्धारित) प्रतिनिधित्व ही दिया जाता था,

स्वतंत्रता के पश्चात् -

(A) तत्कालीन परिस्थितियाँ: स्वतंत्रता के समय देश ने विभाजन की पीड़ा को झेला था, अतः

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भाषाई आधार पर देश के वर्गीकरण से पुनः अलगाववादी मानसिकता के विकास को खतरा था, इसी कारण राज्य निर्माण हेतु गठित जेवीपी समिति, फजल आयोग आदि ने भाषा आधारित राज्य निर्माण की मांग को नकार दिया,

राज्य पुनर्गठन का समाधान – किंतु आंध्र आंदोलन की तीव्रता व जन लोकप्रिय मांग होने के कारण फजल अली आयोग की सिफारिश पर अंततः भाषा आधारित राज्य गठन को मंजूरी दे दी गई,

वर्तमान स्थिति – भारतीय विविधता व एकता की भावना के कारण, यह वर्गीकरण वस्तुतः जन आकांक्षाओं के अनुरूप एवं देश की भौगोलिक एकता को मजबूत करने वाला ही सिद्ध हुआ है,

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Dr. B. R. Ambedkar understood that persistent inequalities pose fundamental challenges to the economic and social well-being of the nation and people. In this context, discuss the key contributions of Dr. Ambedkar in the history of modern India. **(150 WORDS) 10**

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का मानना था कि दीर्घस्थायी असमानताएं राष्ट्र और लोगों के आर्थिक एवं सामाजिक कल्याण के समक्ष बुनियादी चुनौतियां प्रस्तुत करती हैं। इस संदर्भ में, आधुनिक भारत के इतिहास में डॉ. अम्बेडकर के प्रमुख योगदानों की चर्चा कीजिए।

अम्बेडकर सामाजिक व आर्थिक न्याय की अवधारणा पर विश्वास करते थे, तथा दीर्घकालिक असमानताएँ इस समाज की सबसे बड़ी अवरोधक थी, उदाहरणार्थ -

(i) प्राचीन समय में उच्च वर्ग प्रमुख → शैक्षिक सामाजिक अवसर बढ़े → सशक्त अगली पीढ़ी का निर्माण

(ii) प्राचीन समय में निम्न वर्ग का दमन → शैक्षिक, आर्थिक सामाजिक अवसर प्राप्त नहीं → कमजोर पीढ़ी का जन्म

स्पष्टतः प्राचीन समय में प्राप्त विशेषाधिकारों के कारण आज की पीढ़ी की योग्यताएँ निर्मित होती है, यही कारण है कि लम्बे समय तक चली असमानताएँ सामाजिक - आर्थिक विषमताओं को जन्म देती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

डॉ० अंबेडकर का योगदान

(i) उपर्युक्त विषमता के निवारण हेतु डॉ० अंबेडकर ने आधुनिक भारत के संविधान में सामाजिक न्याय का सिद्धांत अनुच्छेद 15 व 16 के माध्यम से करवाया।

(ii) विषम धरातल (परिस्थितियों) में सेड़ वर्गों को समान अवसर प्रदान करने के लिए 'विधियों के समान संरक्षण' (equal protection of law) के सिद्धांत को आधुनिक भारत में प्रविष्ट कराया।

(iii) उत्पीड़ित महिला वर्ग की उपर्युक्त सामाजिक-आर्थिक विषमता को दूर करने के लिए हिंदू कोड बिल का पुरजोर समर्थन किया।

स्पष्टतः अंबेडकर ने भारत में सामाजिक न्याय की अवधारणा को जन्म देकर इसे वास्तविक अर्थ में लोकतंत्र बनाया।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. It has been pointed out that in recent times, while the proportional share of nuclear households has dipped in urban areas it has risen in rural areas. Analyse the reasons behind this trend. **(150 WORDS) 10**

यह इंगित किया गया है कि हाल के समय में, जहां शहरी क्षेत्रों में एकल परिवारों की आनुपातिक हिस्सेदारी में कमी आई है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में यह बढ़ी है। इस प्रवृत्ति के पीछे उत्तरदायी कारणों का विश्लेषण कीजिए।

हालिया सामाजिक - आर्थिक सर्वेक्षण (SECC - २०११) द्वारा यह तथ्य सामने आया कि →

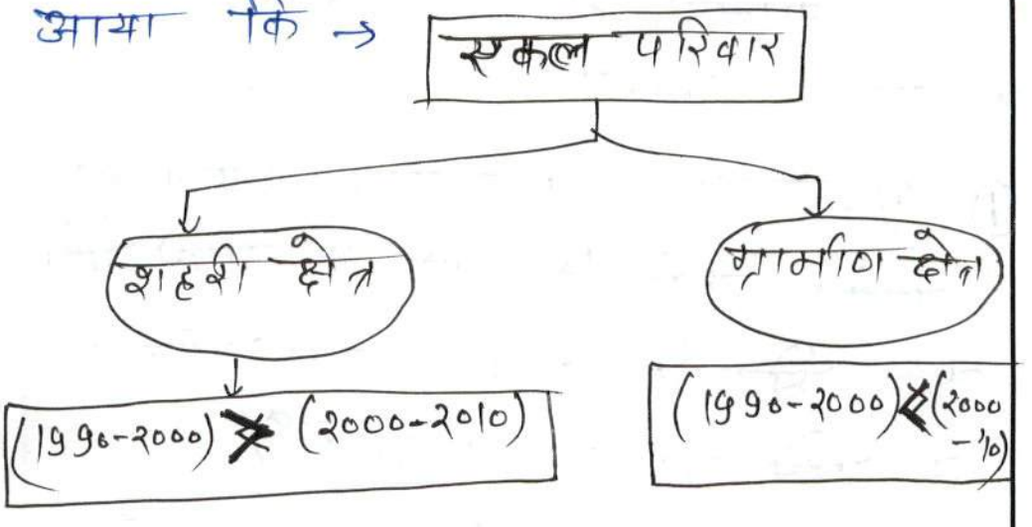

शहरी क्षेत्रों में एकल परिवार की कम होती संख्या का कारण निम्नवत देखा जा सकता है -

(i) बढ़ती महँगाई तथा रहन-सहन के स्तर की तीव्र मुद्रास्फीति ने एकल परिवार के अस्तित्व संकट में डाला,

(ii) बढ़ते आपराधीकरण के कारण असुरक्षा की भावना ने भी एकल परिवार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को क्षरित किया है,

(iii) शहरों में आवास योग्य भूमि का कम होना पलायन ~~प्रोत्साहन~~ होकर आए भिन्न-भिन्न परिवारों को साथ रहने के लिए प्रेरित करता है,

ग्रामीण क्षेत्रों में एकल परिवार की बढ़ती अवधारणा मुख्यतः →

(i) भू-उपखण्डन के कारण उत्पन्न हुई प्रतीत होती है, जिसमें अपने-अपने कृषि क्षेत्र के पास एकल परिवार के रहने का चलन बढ़ा है,

(ii) संयुक्त परिवार के कुछ सदस्यों के पलायन कर शहर बस जाने के बाद संबंधित परिवार भी शहर चला जाता है, परिणामतः ग्रामीण इलाकों में एकल परिवार ही शेष रहता है,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Separation, and not divorce, is the dominant form of marriage dissolution for most women in India. What could be the possible reasons behind this? Also, discuss why there are striking differences in divorce rates between the different regions in India. **(150 WORDS) 10**

असाहचर्य, न कि तलाक, भारत में अधिकांश महिलाओं के लिए विवाह विच्छेद का एक प्रमुख रूप है। इसके पीछे संभावित कारण क्या हो सकते हैं? साथ ही, चर्चा कीजिए कि भारत में विभिन्न क्षेत्रों के बीच तलाक की दर में सुस्पष्ट अंतर क्यों हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Giving an account of their impact, mention the reasons for increased frequency of dust storms as observed in the last few years. **(150 WORDS) 10**

धूल भरी आंधियों के प्रभाव का विवरण प्रस्तुत करते हुए, पिछले कुछ वर्षों में अवलोकित धूल भरी आंधियों की वर्धित आवृत्ति के कारणों का उल्लेख कीजिए।

नमी रहित - शुष्क क्षेत्रों में जब निम्न वायुदाब क्षेत्र का विकास होता है तब तीव्र गति से चलती हवा के साथ उड़ती धूल - धूल भरी आंधी का निर्माण करती है।

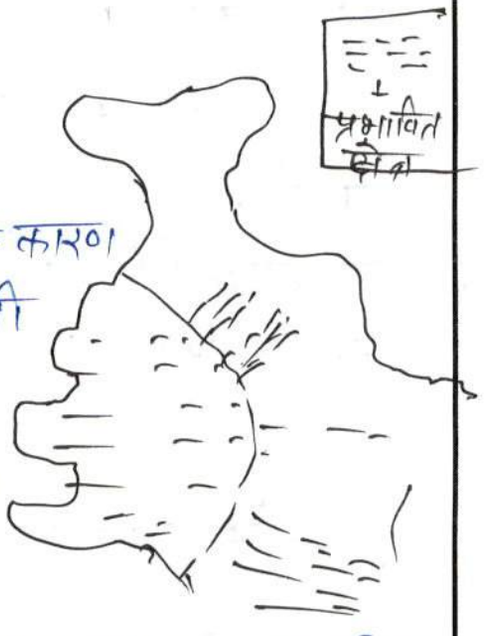

प्रभाव →

(i) धूल भरी आंधी के कारण दृश्यता में कमी आती है।

(ii) यह यातायात प्रचालन को बाधित करती है।

(iii) वनस्पतियों के लिए प्रतिकूल साबित होती है।

(iv) मानव स्वास्थ्य (मुख्यतः श्वास रोग व नेत्र रोग) उत्पन्न करती है।

(v) मरुस्थलीकरण की दर में वृद्धि करती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हालिया समय में वर्धित आवृत्ति-

हालिया समय में अप्रैल, मई, जून माह में उत्तरी व पश्चिमी तथा मध्य भारतीय क्षेत्रों में इसकी आवृत्ति में तीव्र वृद्धि देखी गई है, जो मुख्यतः—

(i) तापमान के बढ़ते प्रभाव के कारण दाब की कमी में तीव्रता,

(ii) तापमान के प्रभाव से नमी की कमी,

(iii) वनस्पतियों के अभाव के कारण नमी की कमी तथा मिट्टी की पकड़ ढीली होने

—के कारण बढ़ रही है,

तीव्र वनस्पतिकरण तथा ग्लोबल वार्मिंग के शमन द्वारा ही इस पर नियंत्रण पाया जा सकता है,

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. Elaborate on the factors responsible for the evolution of the current drainage system in Indian sub-continent, with special emphasis on the characteristic features of Himalayan and Peninsular rivers. **(150 WORDS) 10**

हिमालयी और प्रायद्वीपीय नदियों की अभिलाक्षणिक विशेषताओं पर विशेष बल देते हुए, भारतीय उपमहाद्वीप में वर्तमान अपवाह प्रणाली के विकास के लिए उत्तरदायी कारकों का सविस्तार वर्णन कीजिए।

हिमालयी नदियाँ	प्रायद्वीपीय नदियाँ
1). उत्पत्ति मुख्यतः हिम-गलन के कारण,	उत्पत्ति वर्षा पर आधारित
2). वर्ष पर्यन्त प्रवाह	मौसमी प्रवाह
(3). गार्ज का निर्माण करती हैं,	गार्ज का निर्माण नहीं करती,
(4). मुख्यतः ये पूर्ववर्ती नदियाँ हैं,	ये अनुवर्ती नदियाँ हैं,
(5). उदाहरण – गंगा, यमुना ब्रह्मपुत्र	कावेरी, कृष्णा, महानदी

भारतीय उपमहाद्वीप में अपवाह प्रणाली के विकास के उत्तरदायी कारक–

① भारत के प्रायद्वीपीय पठार की भूगर्भिक प्लेट का धंसाव उत्तर पूर्व दिशा में होने के कारण यह क्षेत्र पूर्व दिशा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

में ढलान लिए है, इस कारण कावेरी, कृष्णा आदि नदियाँ बंगाल की खाड़ी में अपवाहित होती है।

(2). गार्ज की उपस्थिति अपवाह को निर्धारित करती है, यथा → नर्मदा व तापी का पूर्व दिशा में प्रवाह

(3). पश्चिमी घाट की नदियाँ सीमांत धँसाव के कारण तीव्र गति से प्रपात बनाती हुई अरब सागर में गिरती है।

(4). भूगार्भिक मान्यताओं के अनुसार हिमालयी क्षेत्र के मध्य भाग के हिमालय नदी उथान के कारण हिमालय नदी अपवाह तंत्र तीन अलग-अलग अपवाह तंत्रों के रूप में विकसित हुआ →
- सिंधु नदी तंत्र → पश्चिम को
- गंगा नदी तंत्र → दक्षिण पूर्व
- ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र → दक्षिण पूर्व को।

स्पष्टतः भारतीय अपवाह का निर्धारण भूगार्भिक कारणों पर आश्रित है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Enumerate the features of Plantation Agriculture and the problems faced by them. Given the fact that area under cultivation of palm oil has been increasing, discuss the benefits and challenges associated with it.

(150 WORDS) 10

बागानी कृषि की विशेषताओं और इसके समक्ष आने वाली समस्याओं को सूचीबद्ध कीजिए। इस तथ्य को देखते हुए कि पाम ऑयल की खेती के अंतर्गत क्षेत्र में वृद्धि हो रही है, इससे संबद्ध लाभों और चुनौतियों की चर्चा कीजिए।

बागान में वाणिज्यिक आधार पर फूल / फलों की खेती बागानी कृषि कहलाती है,

विशेषताएँ -

(1). मुख्यतः वाणिज्यिक कृषि,

(2). ~~मौसम~~ / जलवायु के प्रति अधिक सुग्राह्य

(3). लक्षित औद्योगिक क्षेत्र तक पहुँचाने के लिए तीव्र परिवहन साधनों की आवश्यकता,

(4). श्रम गहन कृषि होती है,

प्रमुख समस्या -

(1). यह तैयार हो जाने के पश्चात तीव्र गति से क्षरित (perishable) हो जाती है,

(2). इनके भण्डारण व धारण क्षमता (Storage

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

एवं Holding capacity) हेतु अवसंरचनात्मक अभाव दिखता है।

(iii) आवश्यक मानव संसाधन में कौशल की कमी।

(iv) समर्थन करने वाले उद्योगों का अभाव

(v) फसल बीमा की पहुँच का न होना।

पॉम आयल की खेती

संबद्ध लाभ

- अतिरिक्त आय का सृजन
- प्रति हेक्टेयर अधिक आय की प्राप्ति
- उद्योगों के विकास को प्रेरित
- प्रच्छन्न बेरोजगारी व अल्पबेरोजगारी की स्थिति में बेहतर सुधार।

चुनौतियाँ

- कृषि क्षेत्र के समीप परिवहन सुविधा का अभाव।
- उद्योगों के अनुरूप बेहतर क्वालिटी का न होना।
- तकनीकी दक्षता की कमी।
- व्यापारिक क्षमता का अभाव।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Bring out the distinctive features of Gandhara, Mathura and Amravati schools of art that flourished towards the first century CE. **(250 WORDS) 15**

प्रथम शताब्दी ईस्वी के आसपास विकसित होने वाली गांधार, मथुरा और अमरावती कला शैलियों की सुस्पष्ट विशेषताओं को प्रस्तुत कीजिए।

गांधार, मथुरा व अमरावती - भारत में मूर्ति निर्माण शैली का उदाहरण है।

गांधार कला शैली

1). क्षेत्र → उत्तरी तथा उत्तर-पश्चिमी राज्यों में, (बमियान, गांधार, आदि,

2). संरक्षक → कुषाण व शक शासक,

3). विशिष्टता →

(A) यह ग्रीको रोमन व भारतीय तत्वों के सम्मिलन से निर्मित थी,

(B). मानव सौंदर्य का स्पष्ट प्रदर्शन करना उद्देश्य था,

(C). बुद्ध को घुंघराले, बाल, पारदर्शी वस्त्र, जूते पहने हुए दिखाया गया है।

उदाहरण -

- बामियान की बुद्ध मूर्तियाँ।

मथुरा कला शैली

(1) क्षेत्र - मुख्यतः मथुरा व उसके समीप

(2) संरक्षक - कुषाण शासक

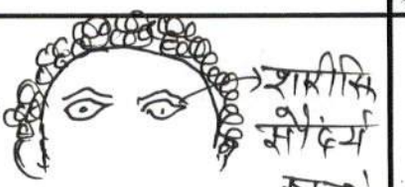

(3) विशिष्टता - (A). अलंकरण पर बल,

(B). बुद्ध को प्रभामण्डल के साथ,

प्रभामण्डल मुक्त स्वरूप

(C). सर्वप्रथम जैन मूर्तियाँ भी यहीं,

(D). पार्श्वनाथ को सर्पों के साथ दिखाया गया है,

(E). झालरदार वस्त्र, जिसमें विशेष तौर से उभार लाया गया है,

उदाहरण - शीर्ष रहित कनिष्क की मूर्ति (मथुरा)

अमरावती कला शैली -

(1). क्षेत्र - पूर्वी व दक्षिण पूर्वी क्षेत्र

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(२). संरक्षक- पाल शासक

(३). विशिष्टता- (A). मूर्ति निर्माण में पीतल तांबे का प्रयोग,

(B). मुख्यतः जैन धर्म पर आश्रित,

(C). अधिक विकसित व श्रेष्ठ रूप प्राप्त नहीं कर सकी,

स्पष्टतः ये तीनों मूर्ति शैलियाँ भारतीय शिल्प की परंपरा की श्रेष्ठता का प्रदर्शन करती है, तथा सम्मिलित रूप से भारतीय शिल्प की पहचान बनती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. The British in India wanted not only territorial conquest and control over revenues; they also felt that they had a cultural mission: to 'civilise the natives', change their customs and values. Critically discuss.

(250 WORDS) 15

भारत में अंग्रेज न केवल क्षेत्रीय विजय और राजस्व पर नियंत्रण चाहते थे; अपितु वे यह भी मानते थे कि उनका 'मूल निवासियों को सभ्य बनाने', उनके रीति-रिवाजों और मूल्यों को परिवर्तित करने का एक सांस्कृतिक मिशन भी था। आलोचनात्मक चर्चा कीजिए।

अंग्रेजों की औपनिवेशिक विजय यात्रा का प्रेरक तत्व क्षेत्रीय विस्तार तथा धन प्राप्ति था, किंतु गहन अर्थों में श्वेत नस्ल के भार (White's Burdon) के अनुरूप भारत को उन्होंने सांस्कृतिक व सामाजिक रूप से भी परिवर्तित करना चाहा।

श्वे क्षेत्रीय विजय व राजस्व पर नियंत्रण

1). यह क्षेत्रीय विजय की लालसा का ही परिणाम था कि 1757 में बंगाल की दीवानी से प्रारंभ हुआ अभियान 1858 में साम्राज्ञी के अधीन भारत के रूप में मात्र 90 वर्षों में परिवर्तित हो गया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2). धन के बर्हिगमन द्वारा भारतीय राजस्व के बलबूते ब्रिटिश समृद्धि की आधारशिला तय हुई।

(3). यह राजस्व लूट का ही प्रतिफल था कि 18 वीं सदी में वैश्विक जीडीपी का 22% धारण करने वाला भारत 1947 तक आते-आते केवल 3% तक सिमट गया।

श्वेत नस्ल का भार-

1). किंतु अंग्रेजों का दीर्घकालिक लक्ष्य ऐसे भारतीयों को तैयार करना था, जो रंग-रूप में भारतीय किंतु आचार-व्यवहार, रुचि में ब्रिटिश हों।

2). यह मूल रूप से ब्रिटिश वाणिज्यिक आवश्यकताओं से प्रेरित था।

3). अंग्रेजी तौर तरीके के अनुकूल रहने वाले भारतीय ब्रिटिश आयात के बेहतर खरीददार होते।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4). साथ ही प्रशासन चलाने में उनकी सहायता भी करते,

(5). इसके अतिरिक्त अंग्रेजों में नस्लीय प्रभुत्व की भावना स्वयं को श्रेष्ठ मानने की भ्रांति से संबंधित थी, जो उपर्युक्त कार्यों के लिए उन्हें प्रेरित करती थी।

इस प्रकार भारत में ब्रिटिश नीतियाँ आर्थिक - सामाजिक व सांस्कृतिक उद्देश्यों से प्रेरित होकर चल रही थी,

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Despite Jawaharlal Nehru and Mahatma Gandhi being close associates, there were significant differences between the two regarding the role of state and the control that it exercised. Comment. **(250 WORDS) 15**

जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी के निकट सहयोगी होने के बावजूद, दोनों के बीच राज्य की भूमिका और इसके नियंत्रण की सीमा के संबंध में अर्थपूर्ण मतभेद थे। टिप्पणी कीजिए।

नेहरू व गाँधी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मूल संचालक होने के साथ स्वाधीनता आंदोलन में भी सहभागी थे, नेहरू गाँधी को अपना गुरु व गाँधी उन्हें अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी मानते थे, किंतु इसके बावजूद दोनों के मध्य भेद भी थे।

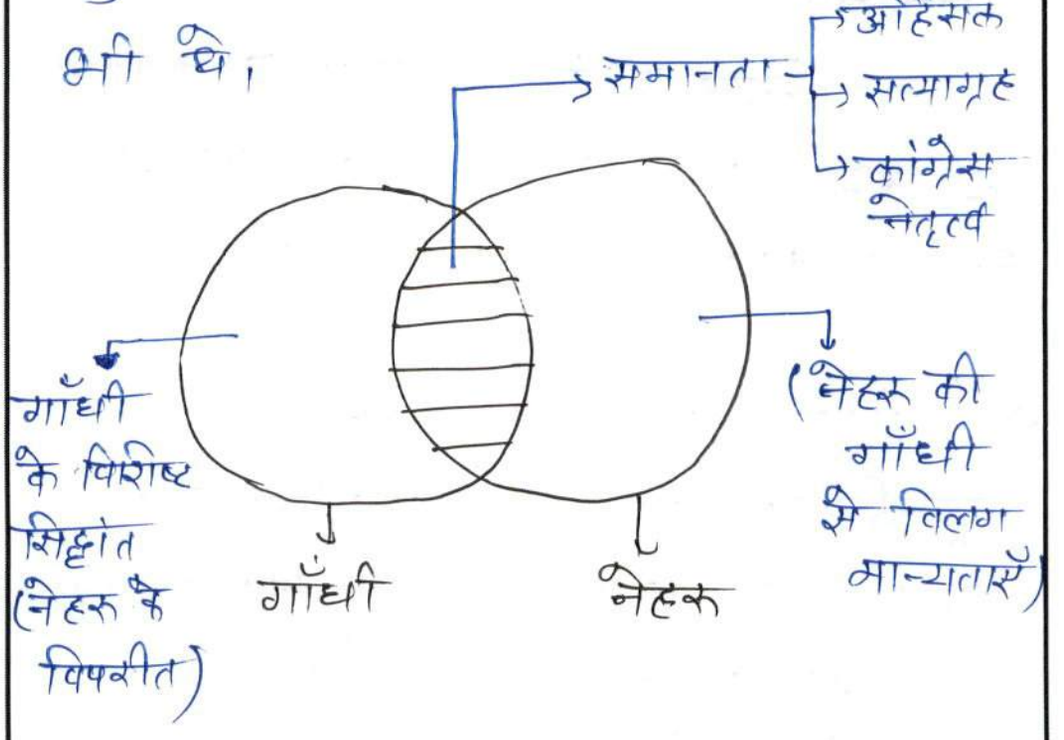

प्रमुख मतभेद –

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1). नेहरू संघीय लोकतंत्र के पक्षधर थे, जो कि राज्य नियंत्रण को महत्व देते थे।

जबकि गाँधी सकारात्मक अर्थों में अराजकतावादी होने के कारण विकेंद्रीकरण के पक्षधर थे।

2). गाँधी औद्योगिक वर्ग की नियंत्रण मुक्त विकास की धारणा तथा कुटीर उद्योगों को महत्व देते थे।

नेहरू अनिवार्य रूप से समाजवादी व्यवस्था के अधीन उद्योगों पर राज्य नियंत्रण का समर्थन करते थे।

3). गाँधी राज्य को एक आवश्यक बुराई के रूप में देखते थे, इस प्रकार वह न्यूनतम राज्य की स्थापना की ही स्वीकार करते थे।

नेहरू के दृष्टिकोण में सामाजिक आर्थिक विकास लक्ष्यों की प्राप्ति

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

राज्य के मजबूत होने पर ही संभव हो सकती थी, अतः वह मजबूत राज्य के सिद्धांत के पक्षधर थे।

5). गाँधी पुलिस जैसी नियंत्रणकारी व्यवस्था को अनुचित मानकर राज्य हिंसा का स्वरूप मानते थे।

नेहरू प्रत्येक अंग को राज्य संचालन का एक प्रभावी अंग मानते थे।

स्पष्टतः नेहरू व गाँधी में विविध विषयों पर विभिन्न मतभेद थे, किंतु इसके बावजूद भी दोनों के सम्मिलित स्वरों ने ही भारत को नई दिशा दी।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Enumerating the reasons behind Sino-Soviet split in the second half of the 20th century, analyse its impact on the Cold War. **(250 WORDS) 15**

20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में चीन-सोवियत दरार के पीछे उत्तरदायी कारणों को सूचीबद्ध करते हुए, शीत युद्ध पर इसके प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

20 की शताब्दी की चीन सोवियत दरार के पीछे उत्तरदायी कारक →

(I) चीन की साम्यवादी क्रान्ति का किसानों पर आधारित होना,

(II) चीन के साम्यवादी दल द्वारा रूस को समाजवाद का वैश्विक नेतृत्वकर्ता न मानना,

(III) 1931 में जापान द्वारा चीन के मंचूरिया पर आक्रमण के समय रूस का कार्यवाही न करना,

(IV) म्यूनिख समझौता आदि को चीन ने रूस की अवसरवादिता के रूप में देखा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

शीत युद्ध पर प्रभाव –

(I) साम्यवादी गुट में दो-दो नेतृत्वकर्ताओं का उभार

(II) चीन स्वयं को रूस के समकक्ष मानने लगा,

(III) फलतः साम्यवादी खेमे की एकता में कमी आई,

(IV) जिसने अंतिम रूप से पूंजीवादी खेमे की विजय को सुनिश्चित किया,

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. History has disproved the prediction that democracy would not succeed in India. In this context, critically assess the achievements and challenges of democracy in India since Independence. **(250 WORDS) 15**

इतिहास ने इस भविष्यवाणी को नकार दिया है कि भारत में लोकतंत्र सफल नहीं होगा। इस संदर्भ में, स्वतंत्रता-प्राप्ति के उपरांत भारत में लोकतंत्र की उपलब्धियों और चुनौतियों का आलोचनात्मक आकलन कीजिए।

स्वतंत्रता प्राप्ति के समय 2/3 जनसंख्या की निरक्षता, सांप्रदायिक हिंसा, जातियों में विभक्त समाज तथा अलगाववादी आंदोलनों के बढ़ते स्वरूप के कारण भारत में लोकतंत्र को इतिहास का सबसे बड़ा जुआ (Biggest Gamble of Modern History) कहा गया, किंतु 72 वर्ष बीत जाने के बाद भी लोकतंत्र का न सिर्फ कायम रहना, अपितु अधिक सशक्त होकर उभरकर आना हमारी विजय को ही दर्शाता है,

भारतीय लोकतंत्र की उपलब्धियाँ -

(1) संघीयता की भावना के साथ केंद्र को सशक्त बनाए रखकर, देश को विखंडित होने से बचाकर 'देश की अखंडता की सुरक्षा' को स्थापित करना,

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(II) भाषाई विवाद (द्रविड़ आंदोलन) का कुशल समाधान।

(III) आमचुनावों का बिना किसी व्यवधान के निष्पक्ष व पारदर्शिता पूर्ण सम्पन्न होना।

(IV) सत्ता पक्ष द्वारा जनमत को सम्मान के अनुरूप ही कार्य करना।

(V) न्यायपालिका की स्वतंत्रता का कायम रहना।

(VI) राजनीतिक स्थायित्व के साथ-साथ सामाजिक - आर्थिक विकास लक्ष्यों की पूर्ति →

↳ साक्षरता → 35% (1950) → 77% (2011)

↳ आर्थिक संवृद्धि → 3.5% (1980) → 7% (2015)

↳ जीवन प्रत्याशा → 34 वर्ष (1950) → 67 वर्ष (2011)

(VII) सूचना का अधिकार, अनुच्छेद 21 का प्रसार तथा सामाजिक न्याय से संबंधित कानूनों का निर्माण।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रमुख चुनौतियाँ

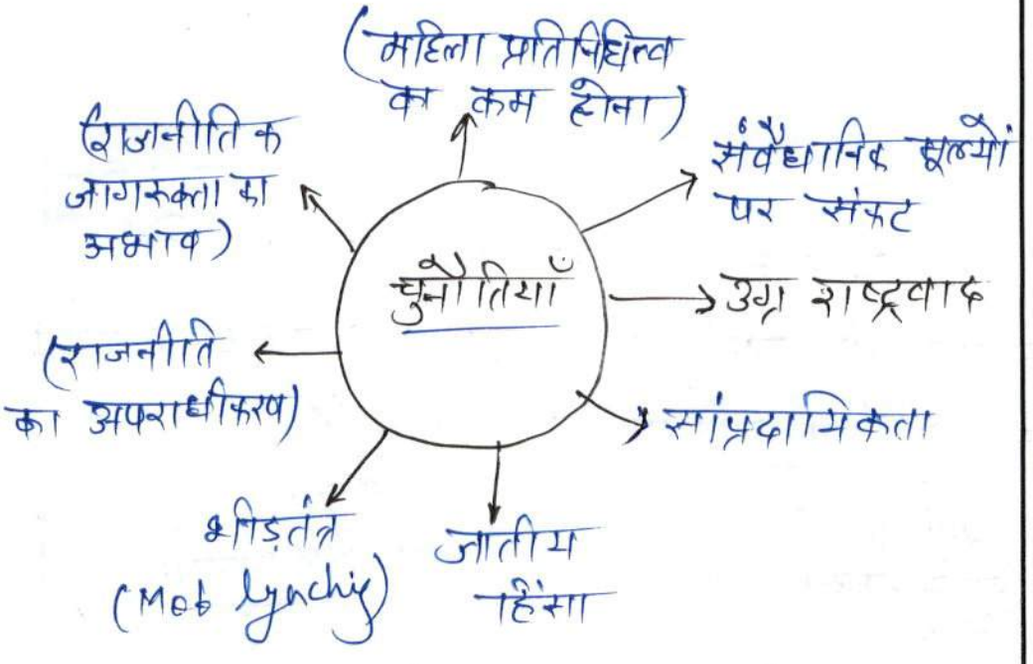

स्पष्टतः इन चुनौतियों से निपटकर भारत निश्चित रूप में सामाजिक-आर्थिक व राजनीतिक न्याय के आदर्श को प्राप्त कर पाएगा, जो कि व्यापक सहभागिता से ही संभव होगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Enumerate the key issues faced by working women in contemporary Indian society and the steps taken by the government to address them. Also, critically examine the key features of Maternity Benefit (Amendment) Act 2017. **(250 WORDS) 15**

समकालीन भारतीय समाज में कामकाजी महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली प्रमुख मुद्दों और उनसे निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को सूचीबद्ध कीजिए। साथ ही, मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017 की प्रमुख विशेषताओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

समकालीन भारतीय समाज में कामकाजी महिलाओं द्वारा विविध समस्याओं का सामना किया जा रहा है।

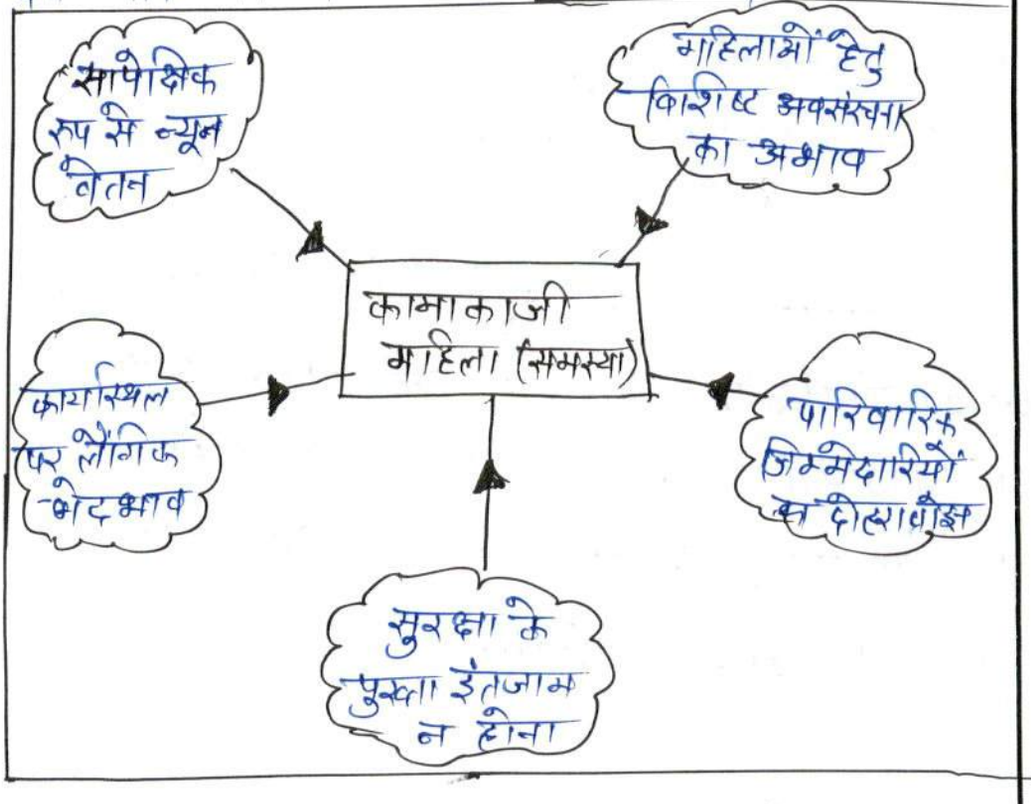

सरकार द्वारा उठाए गए प्रमुख कदम -

① विशाखा दिशानिर्देश द्वारा लैंगिक भेदभाव की स्थिति में व्यापक उपाय।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) नवीनतम टैक्सी सुधार उपायों के तहत पैनिक बटन की अनिवार्य व्यवस्था तथा सेंट्रल लॉकिंग प्रणाली को प्रतिबंधित करना।

(iii) मातृत्व लाभ से संबंधित प्रावधानों का अनिवार्य अनुपालन,

(iv) समान कार्य हेतु समान वेतन के नीति-निदेशक तत्व का अनुपालन

(v) गवर्निंग बॉडी आदि में महिला प्रतिनिधित्व की अनिवार्य उपस्थिति करना।

मातृत्व लाभ अधिनियम - २०17

प्रमुख विशेषताएँ -

(i) मातृत्व अवकाश की अवधि प्रथम दो प्रसव पर १२ से बढ़ाकर २6 हफ्ता कर दी गई है।

(ii) २० से अधिक महिला कर्मचारी की स्थिति में क्रेच का प्रावधान

(iii) मातृत्व सहयोग संबंधित लाभों की

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

शिक्षा हेतु नियोक्ता को आवश्यक प्रावधान करने होंगे,

विश्लेषण-

(i) सवैतनिक अवकाश का प्रावधान नियोक्ताओं को महिला कर्मचारियों की आरंभिक तौर पर ही भर्ती रोकने के लिए प्रेरित करेगा, → अतः महिला तथा पुरुष दोनों को ऐच्छिक व क्रमागत अवकाश का प्रावधान, सहायक सिद्ध हो सकता है।

(ii) असंगठित क्षेत्र हेतु भी प्रावधान बनाने की आवश्यकता, → क्योंकि भारत का 90% श्रमबल असंगठित क्षेत्र में हैं।

स्पष्टतः सशक्त कानूनी पहल व सामाजिक जागरूकता ही महिला कर्मचारियों की स्थिति को प्रभावी बनाने में सफल होगी,

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. State the factors which have led to India being categorized as a water-stressed nation. Also, identify sustainable solutions for averting the crisis at hand. **(250 WORDS) 15**

उन कारकों का विवरण प्रस्तुत कीजिए जिन्होंने भारत को एक जल-दबावग्रस्त राष्ट्र के रूप में वर्गीकृत होने की ओर अग्रसर किया है। साथ ही, इस संकट को टालने के लिए संधारणीय समाधानों की पहचान कीजिए।

भारत जल की कमी वाले राष्ट्रों की सूची में शामिल हो चुका है, जिसकी प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता वैश्विक औसत से काफी नीचे आ चुकी है।

प्रमुख कारक –

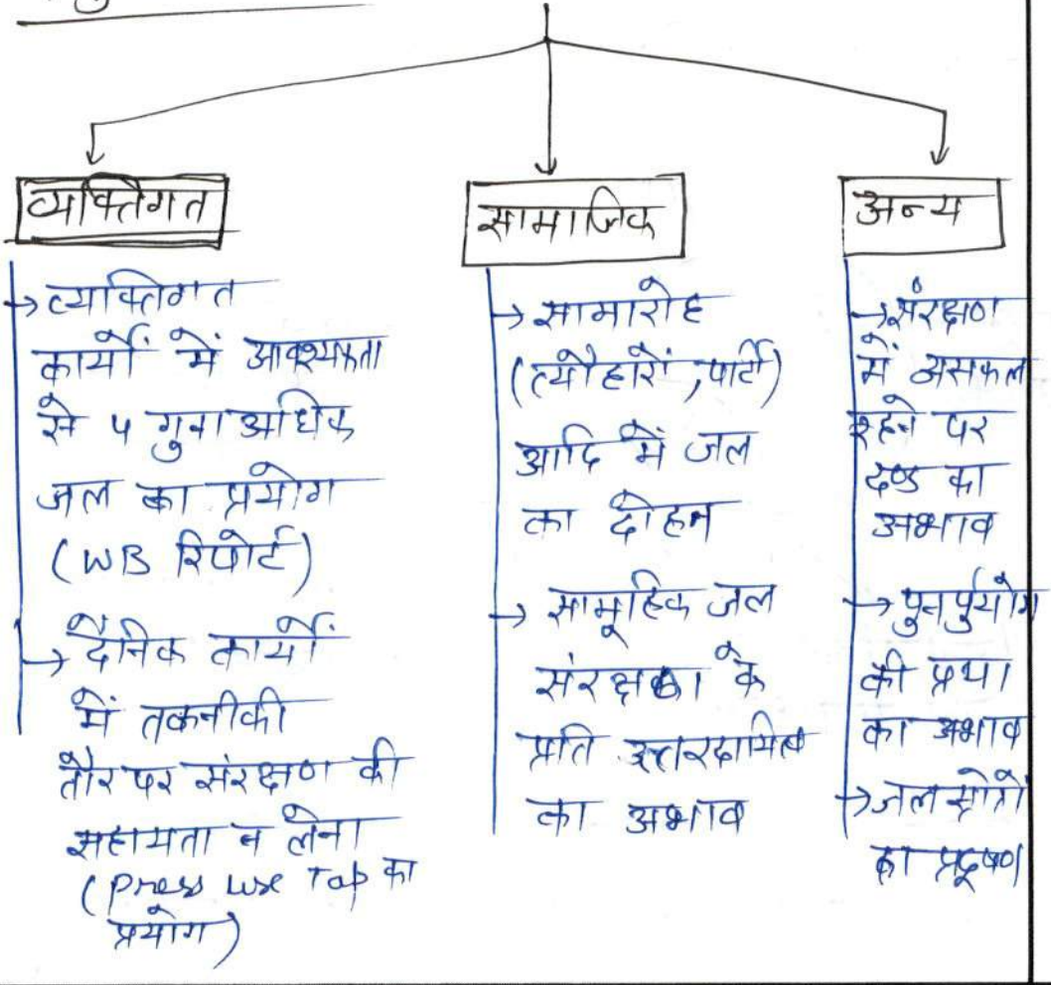

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपर्युक्त कारणों से भारत जल दबावग्रस्त क्षेत्र के रूप में परिवर्तित होता जा रहा है, जिसके परिणाम -

(1). जल शून्यता के स्तर तक पहुँच गए बंगलुरु।

(2). शिमला में जीरो डे की स्थिति के रूप में देखे जा सकते हैं।

संकट टालने हेतु उपाय -

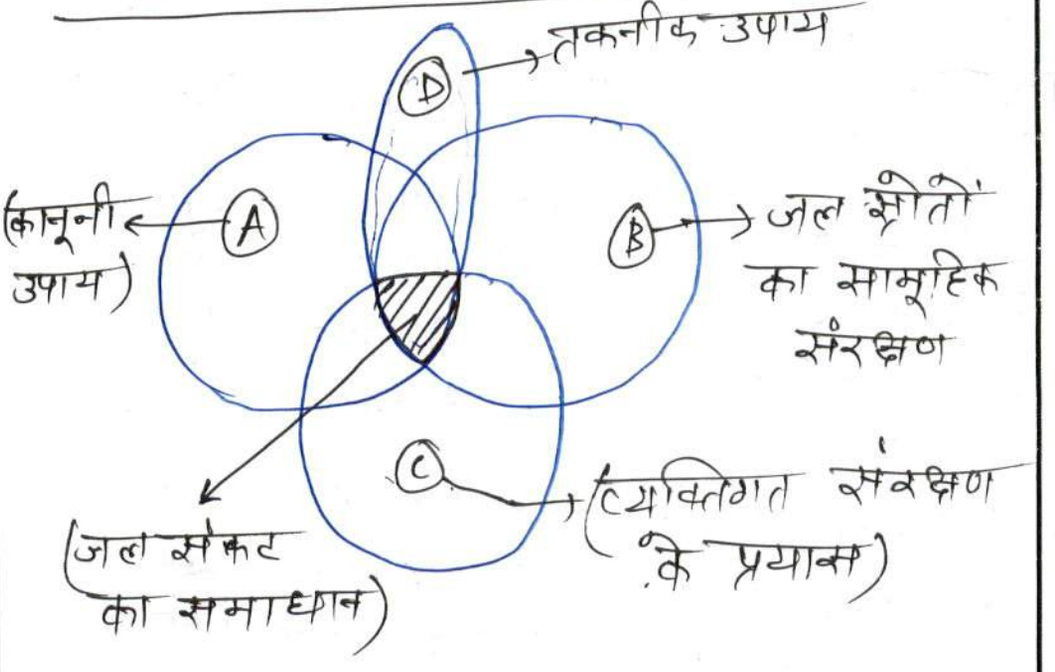

① व्यक्ति स्तर पर सजग होकर ही जल प्रयोग में कटौती की जानी चाहिए

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) सफाई, बागवानी, सिंचाई आदि कार्यों में पुनर्प्रयोग जल को ही प्रयोग में लाना चाहिए।

(iii) जल प्रदूषण की स्थिति उत्पन्न कर जल दबाव को जन्म देने पर कठोर कानूनी उपाय।

(iv) पारंपरिक संरक्षण पद्धतियों जैसे, जोहड़ को प्रेरित करना चाहिए।

(v) वनस्पतिकरण को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि वर्षा द्वारा जलस्रोतों का पुनर्भरण हो सके।

(vi) कृषि पैटर्न में सुधार स्पष्टतः संधारणीय प्रयासों के प्रति प्रतिबद्धता ही जल दबाव से हमें मुक्ति दिलाएगी।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Arresting the deterioration of soil health is key to achieve food security. Discussing the regional variations in soil quality, mention some measures taken by the government for its improvement. **(250 WORDS) 15**

मृदा स्वास्थ्य के ह्रास की रोकथाम खाद्य सुरक्षा की प्राप्ति के लिए अत्यावश्यक है। मृदा की गुणवत्ता में क्षेत्रीय भिन्नताओं पर चर्चा करते हुए, सरकार द्वारा इसके सुधार के लिए उठाए गए कुछ कदमों का उल्लेख कीजिए।

बेहतर खाद्यान्न प्राप्ति तथा फसलों का विविधीकरण ही खाद्य सुरक्षा को सफल बनाता है। और इसके लिए मृदा स्वास्थ्य का बेहतर होना आवश्यक है।

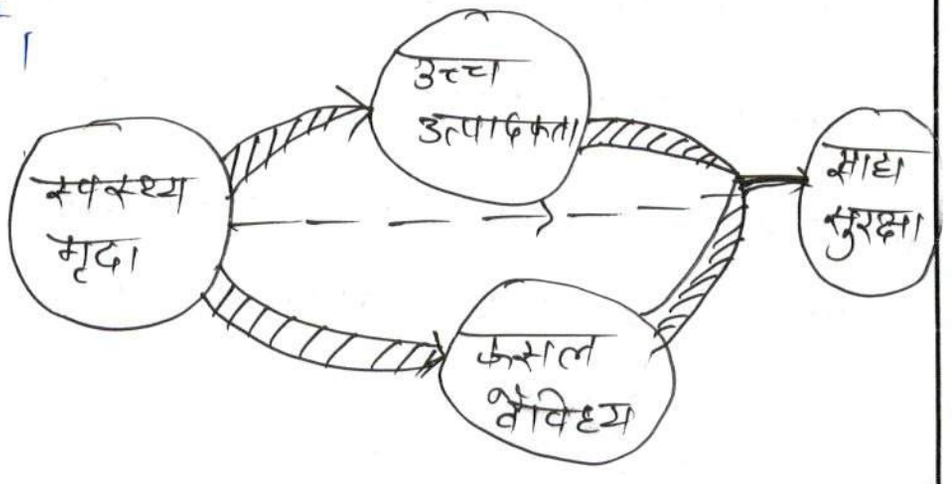

गुणवत्ता में क्षेत्रीय भिन्नता -

(i) भारत में कुल 46 प्रकार की मृदा का अस्तित्व है।

(ii) प्राकृतिक विविधता के अतिरिक्त मानवीय क्रियाओं के कारण भी क्षेत्रीय स्तर पर मृदा की गुणवत्ता

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

में परिवर्तन आया है।

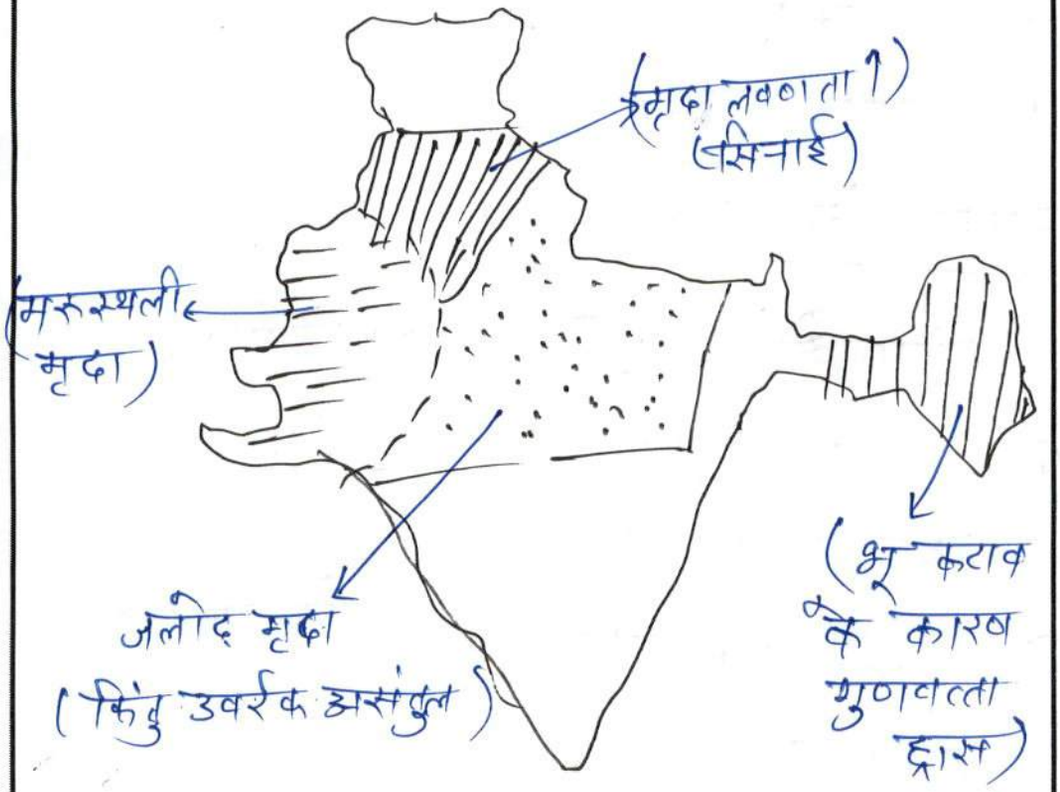

(iii) उत्तर पश्चिमी क्षेत्रों में सिंचाई के तीव्र प्रभाव से मृदा लवणता के कारण गुणवत्ता ह्रास हुआ है।

(iv) भंगा-यमुना मैदान में उर्वरकों के अनियमित प्रयोग से मृदा गुणवत्ता दुष्प्रभावित।

(v) उत्तर पूर्वी क्षेत्रों में भू-कटाव के कारण मृदा ह्रास।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

मृदा गुणवत्ता का यह ह्रास निश्चित रूप से फसल उत्पादन को दुष्प्रेरित कर खाद्य सुरक्षा को दुष्प्रभावित करेगा,

सुधार के प्रयास-

(i) नीम कोटेड यूरिया का प्रयोग,

(ii) उर्वरक अनुपात 4:2:1 (N:P:K) का ध्यान रखना,

(iii) Soil Health card के निर्माण द्वारा गुणवत्ता सुधार,

(iv) कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा मृदा सुधार हेतु आवश्य जानकारियों का प्रयास,

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. Give a brief account of the following phenomenon and their influence on Indian Monsoon: **15**

निम्नलिखित परिघटनाओं और भारतीय मानसून पर उनके प्रभाव का एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए:

(a) ENSO (एन्सो)

(b) Madden-Julian Oscillation (मेडेन-जूलियन दोलन)

(c) Indian Ocean Dipole (हिंद महासागर द्विध्रुव)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. Despite tropical areas being the major emitters of CFCs, the phenomenon of ozone hole formation is largely confined to polar areas and that too over the Antarctic and in early spring. Elaborate. **(250 WORDS) 15**

उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के CFCs के प्रमुख उत्सर्जक होने के बावजूद, ओजोन छिद्र निर्माण की परिघटना मुख्य रूप से ध्रुवीय क्षेत्रों तक ही सीमित है और वह भी बसंत ऋतु के प्रारंभ में अंटार्कटिक के ऊपर। सविस्तार वर्णन कीजिए।

ओजोन परत, स्ट्रेटोस्फीयर में स्थित ओजोन गैस की उपस्थिति को दर्शाती है, CFC के प्रयोग के कारण, ओजोन से इनकी प्रतिक्रिया ओजोन घनत्व को कम कर देती है, जिसे ओजोन छिद्र निर्माण कहा जाता है,

ध्रुवीय क्षेत्रों में निर्माण-

(i) वस्तुतः पृथ्वी का घूर्णन कोरियोलिस बल के प्रभाव से CFC के उच्च घनत्व को ध्रुवों पर स्थानांतरित कर देता है,

(ii) ध्रुवीय वाताग्र का निर्माण इसके उच्च घनत्व के साथ बादल निर्माण को जन्म देता है,

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) वसन्त के समय सूर्य का प्रकाश क्लोरीन को सक्रिय कर देता है।

$$Cl + O_3 \rightarrow ClO + O_2$$

इस प्रकार ओजोन का क्षरण मुख्यतः अंटार्कटिका में वसंत ऋतु के समय होता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)